दुसरा साका → 1444

- साका
  - केसरिया → पाल्हन सिंह ✓
  - जौहर → विरांगनाओं ने किया ✓

आक्रमण → महमूद खिलजी प्रथम ने इस दुर्ग को जीतकर इसका नाम मुस्तफाबाद रखा

अचलदास खिंची री वचनिका → ग्रन्थ → शिवदास गाडण ने लिखा ✓

नागौर दुर्ग : नागौर

निर्माण → कैमास | कदंबवास

उपनाम : नाग दुर्ग, नगाणा दुर्ग, अहिच्छत्रपुर

नोट : जांगल प्रदेश की राजधानी अहिच्छत्रपुर

→ दरवाजे : → सुरभी कसी धोई

- सूरजपोल
- राजपोल
- बिजलीपोल
- कचहरीपोल
- सिरईपोल
- धुवपोल

इस दुर्ग 2007 में युनेस्को ने एक्सीलेंस अवार्ड दिया।

नोट → तोप के गोले बिना नुकसान पहुंचाये इस दुर्ग के ऊपर से निकल जाते हैं।

→ इस दुर्ग में → शुक्र तालाब
अकबरी मस्जिद ✓
पंच महल ✓
शीश महल ✓
कलात्मक बादल महल ✓

अमर सिंह राठौड़ की 16 खंभों की छतरी

बख्त सिंह नागौर दुर्ग का पुनः निर्माण करवाया।

नागौर दरबार → 1570 में भारमल के सहयोग से नागौर दरबार लगा

नोट: गजनी शासक बहराम शाह का भी अधिकार रहा है

कुचामन दुर्ग → डीडवाना कुचामन पहले नागौर

↳ निर्माण → जालिम सिंह ने

MUSt → ✓ जागीरी दुर्गों का सिरमौर

सामन्तों द्वारा बनाये गये दुर्गों का सिरमौर कहा जाता है।

✓ अणखिलो दुर्ग ✓

✓ ऐसा दुर्ग रानी जाये के पास भले पर ठकुराईन जाये के पास नहीं

महल → शीशमहल, हवामहल, पंच महल

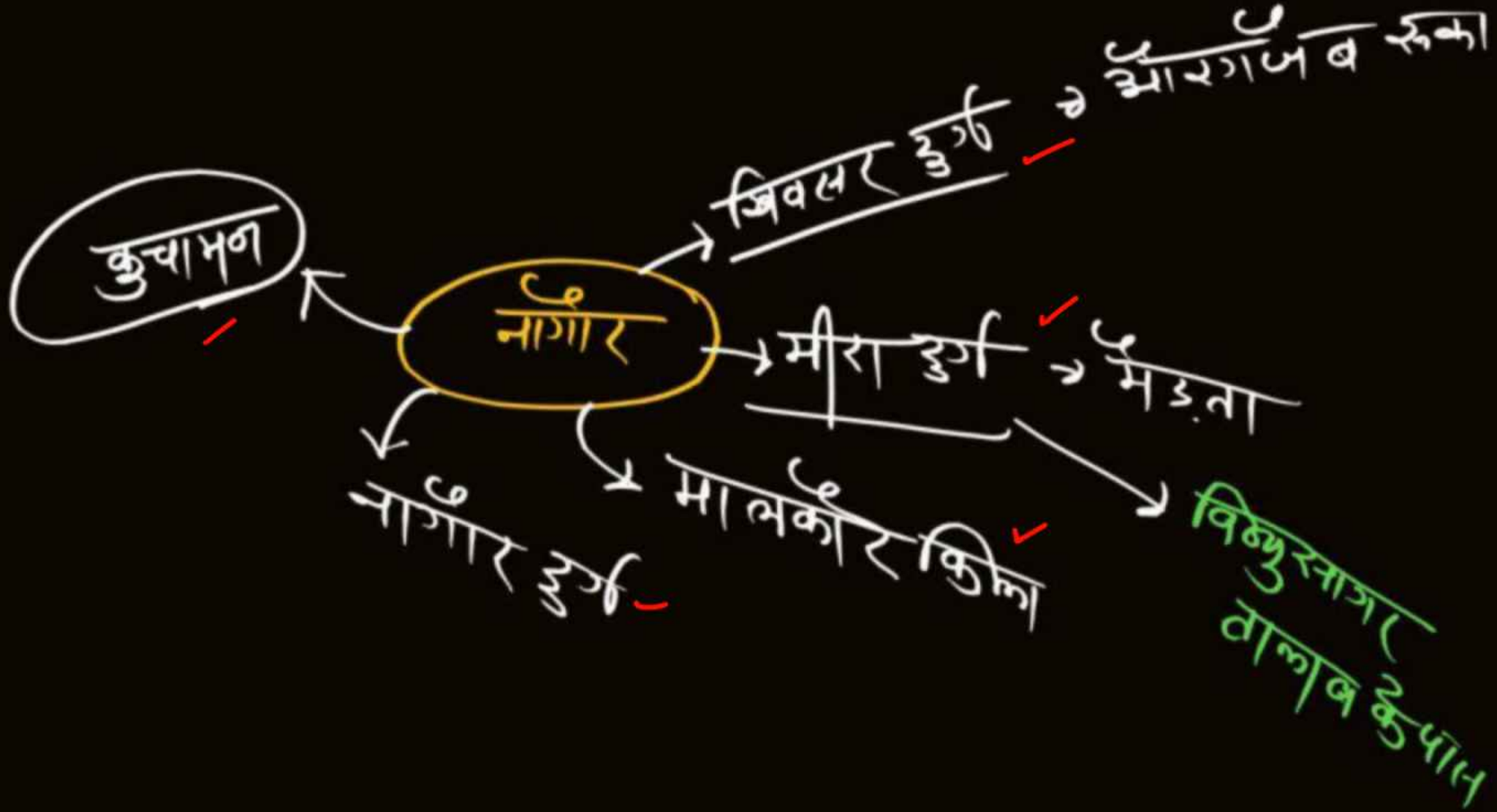

नागौर
कुचामन
खिवसर दुर्ग
औरंगजेब रुका
मीरा दुर्ग
मेड़ता
मालकोट किला
नागौर दुर्ग
विष्णुसागर
तालाब कुंडपाल

नाहरगढ → जयपुर

MUSL

निर्माण → सवाई जयसिंह ने मराठो के प्रवेश को रोकने के लिए

उपनाम : जयपुर का मुकुट
सुदर्शनगढ
सुलक्षणगढ
जयपुर की ओंझाक्ता दुर्ग

इस दुर्ग मे सोने की कलम से कार्य
गैटोर की छतरियां, मान सागर और जल महल
कछवाह राजवंश की समशान भूमि
नाहर सिंह भौमिया का चबुतरा

रसिकप्रिया को नजर बन्द
↳ एक जैसे नौ महलो का निर्माण
माधोसिंह II ने करवाया

→ आमेर का किला → जयपुर

→ पहाड़ी → काली खोह पहाड़ी पर ✓

→ निर्माण → सर्वप्रथम → दुल्हेराय ने ✓

→ आमेर के कुल देवता → अम्बरिश देवता

→ बाद में पुनः निर्माण : भारमल, मिर्जाराजा मानसिंह, सवाई जयसिंह

→ उपनाम : अम्बावती, अम्बिकापुर

→ 2013 → यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सुचि में शामिल ✓

→ विशपहैबर ने कहा "मैंने क्रेमलिन में जो देखा, अलब्रक्का में जो पाया उससे बढ़कर यह दुर्ग है।

→ दर्शनीय स्थल

- → गणेश पोल → सर्वश्रेष्ठ दरवाजा
- → शीला माता का मन्दिर ✓
- → जगत शिरोमणी मन्दिर - मीरा मन्दिर
- → चतुर्भुज गणेश मन्दिर
- → दीवाने आम → शीश महल | दर्पण महल (बिहारी ने कहा।)
- → दीवाने खास → 50 खम्भों का महल
- → ऐसे 16 महलों का निर्माण मान सिंह ने करवाया।

यश मन्दिर

शीतला माता का मन्दिर

2018 में डाक टिकट जारी 12 रुपये

सुहाग मन्दिर (सौभाग्य मन्दिर)

सुख मन्दिर

मावठा झील

केसर की क्यारियाँ

गोविन्द देवजी का मन्दिर

जयगढ़ दुर्ग : जयपुर

पहाड़ी : चिल्ह का टीला | ईगल की पहाड़ी पर

निर्माण : मिर्जा राजा मानसिंह | मिर्जा राजा जयसिंह

उपनाम : जयगढ़, विजयगढ़, संकटकालीन दुर्ग

→ कछवाह राजवंश का खजाना रखा जाता है।

→ इस दुर्ग मे किलेदार और राजा के अलावा कोई प्रवेश नही करता

→ 1976 मे इन्दिरा गांधी ने इस दुर्ग मे खजाने के लिए खुदाई करवाई

→ शिल्पी → विद्याधर भट्टाचार्य ✓

जयगढ का पुन: निर्माण → सवाई जयसिंह

→ 3 दरवाजे : अवनी दरवाजा / पोल
डुंगर दरवाजा / पोल
भैरव दरवाजा / पोल

तोप ढालने का कारखाना
↓
जयगढ दुर्ग

→ दीवाने आम
दीवाने खास
ललित मन्दिर
आराम मन्दिर
भैरव मन्दिर

जयबाण तोप → एशिया की सबसे बड़ी तोप → जयबाण तोप
मौत का कुआ
सबसे बड़ा जलाशय
दिया बुर्ज
सूर्य मन्दिर

इसकी पूजा दशहरे के दिन की जाती है।
नाल :- 19 फीट लम्बी
→ गोलेलाव तालाब | चाकसू

जयबाण तोप

जयगढ

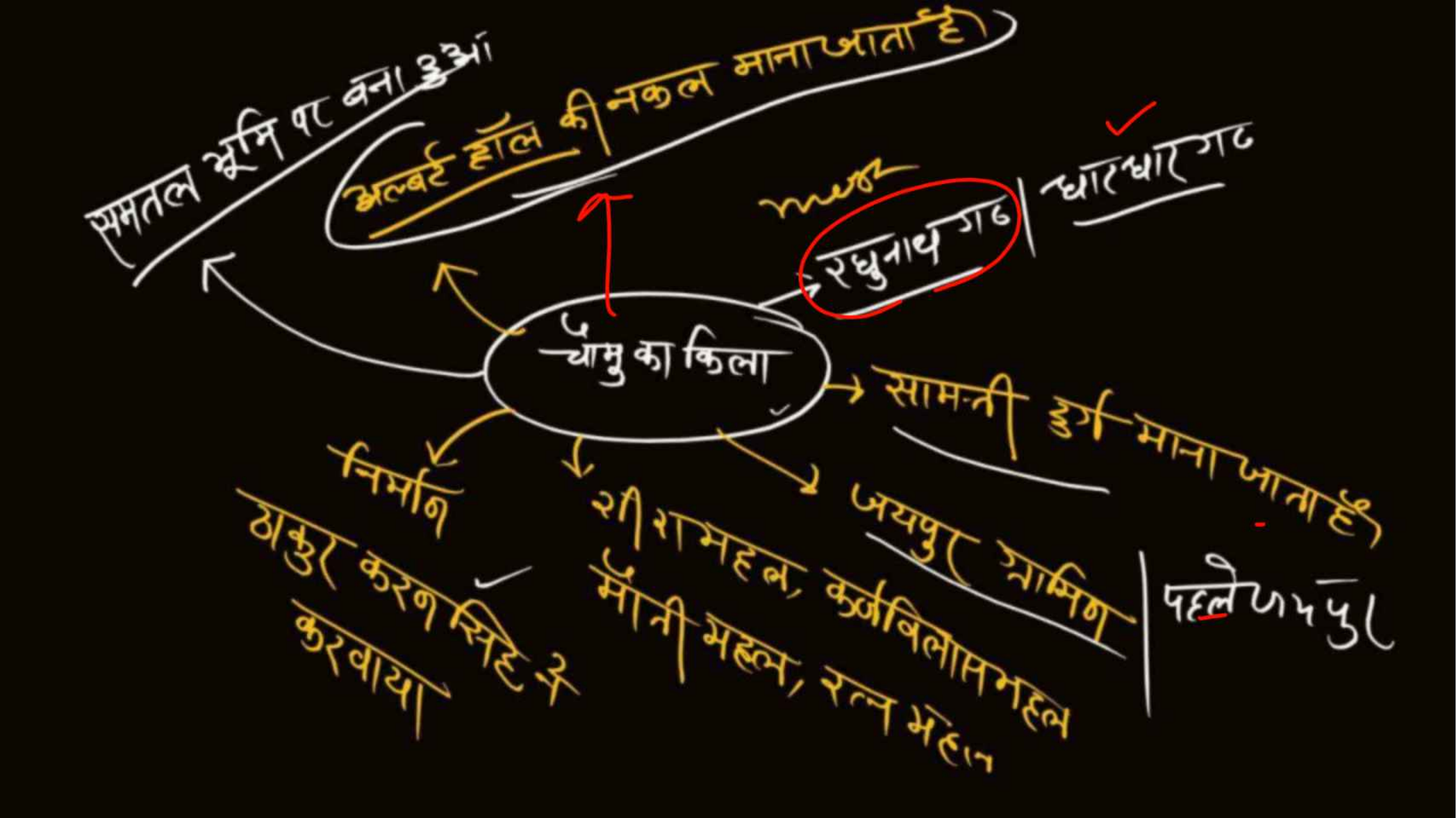

चौमु का किला

- समतल भूमि पर बना हुआ
- अल्बर्ट हॉल की नकल माना जाता है।
- रघुनाथ गढ़ | धाराधार गढ़
- सामन्ती दुर्ग माना जाता है।
- जयपुर ग्रामीण | पहले जयपुर
- शीशमहल, कृष्णविलासमहल, मोती महल, रत्न महल
- निर्माण ठाकुर करण सिंह ने करवाया

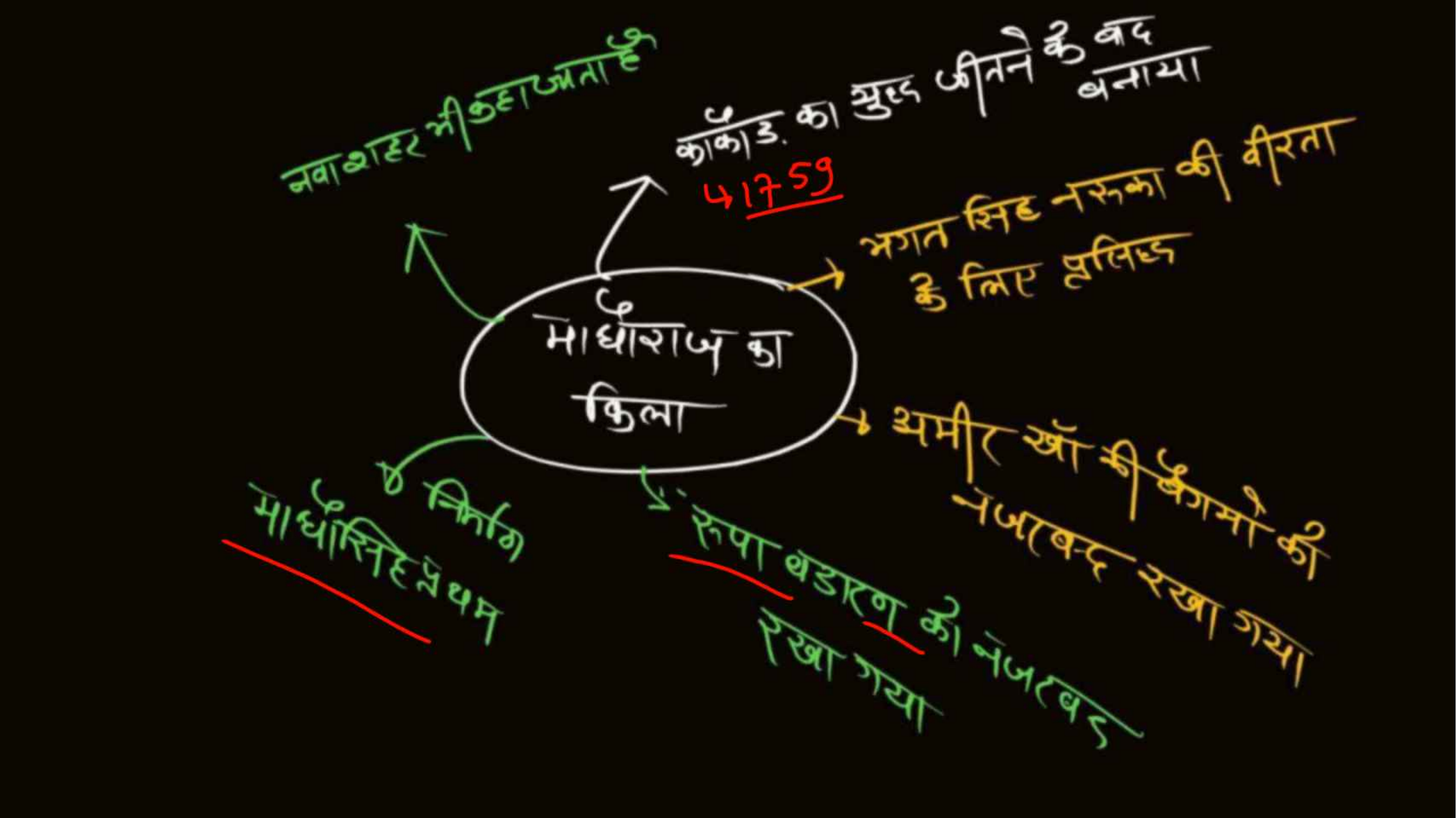

माधोराज का किला
नवाशहर भी कहा जाता है
कांकोड़ का युद्ध जीतने के बाद बनाया
41759
भगत सिंह नरूका की वीरता के लिए प्रसिद्ध
अमीर खॉं की बेगमों को नजरबन्द रखा गया।
रूपा बडारण को नजरबन्द रखा गया
निर्माण माधोसिंह प्रथम

चित्तौड़गढ़ दुर्ग → चित्तौड़गढ़

नदी → गम्भीरी व बेड़च नदी के संगम पर

निर्माण : चित्रगा चित्रागद मौर्य ने 7 वी शताब्दी मे

पत्थर :- मेसा के पठार पर बना है

उपनाम : चित्रकूट, विचित्रकूट

खिज्राबाद, राज० का दक्षिणी पूर्वी प्रवेश द्वार

मालवा का प्रवेश द्वार

व्हेल मछली आकृति का बना दुर्ग

सबसे बड़ा आवासीय स्थल

सभी दुर्गों का सिरमौर

→ सबसे बड़ा त्याग और बलिदान का प्रतीक

→ राज० का गौरव

इस दुर्ग मे कृषि कार्य होता है

→ 7 दरवाजे

↓

1. राम पोल → फत्ता सिसोदिया की छतरी
2. लक्ष्मण पोल
3. हनुमान पोल
4. गणेश पोल
5. जोड़न पोल
6. पाडन पोल → बाघ सिंह की छतरी
7. भैरव पोल → कल्लाजी राठौड़ की छतरी

Trick → जोल रहा पाग भाव को

जोड़न, लक्ष्मण, राम, हनुमान, पाडन, गणेश, भैरव

महल

↓

पद्मनी महल

गोरा बादल महल

फतेह महल

कुंवर पदे महल → मीरा बाई के लिए राणा सांगा ने बनवाया

कुंभश्याम महल

नौकोटी महल (नवलकोट दुर्ग) अनाज रखने का भण्डार

रनमल की हवेली ✓

आला हिंगोला की हवेली ✓

मन्दिर :- कुंभ श्याम मन्दिर, वराह मन्दिर
कुकडेश्वर मन्दिर ✓
नीलकण्ठ महादेव मन्दिर ✓
त्रिभुवनारायण मन्दिर | समद्धेश्वर | मोकल मन्दिर
तुलजा भवानी मन्दिर → शिवाजी की कुल देवी
बाण माता का मन्दिर → कुल देवी सिसोदिया राजवंश
✓ बरवाड़ी माता मन्दिर → आराध्य देवी → सिसोदिया राजवंश
अन्नपूर्णा माता मन्दिर ✓
सतबीस देवरी जैन मन्दिर ✓
27 देवरियाँ | 24 जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएँ।

श्रृंगार चंवरी | जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी का मन्दिर (है)
निर्माण → वेल्हका ने करवाया।

→ जयमल। कल्ला की छतरी
कल्ला जी राठौड़ की छतरी
मीरा के गुरु रैदास जी की छतरी
विजय स्तम्भ
जैन कीर्ति स्तम्भ (मेरु कनक प्रभ)

दशरथ शर्मा के अनुसार प्रथम विजेता → जैत्र सिंह माना जाता है

कर्नल टॉड → बप्पा रावल को प्रथम विजेता माना जाता है।

→ जलाशय : ✓ पद्म तालाब
✓ रत्नेश्वर तालाब
✓ हाथी कुण्ड तालाब
✓ झाला बाव बावड़ी

पद्मनी महल

विजयस्तम्भ | कीर्तिस्तम्भ → चित्तौड़गढ़

↓

सामने → त्रिभुवननारायण मन्दिर | समिद्धेश्वर | मोकल मन्दिर के सामने

→ निर्माण : महाराणा कुंभा ने सारंगपुर के युद्ध में (→1437) माण्डू के सुल्तान महमूद खिलजी प्रथम को पराजित कर बनाया (1440-48)

उपनाम :→ विष्णु ध्वज, विक्ट्री टावर

भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष

रोम के टार्जन से तुलना (फर्ग्युसन)

कुतुबमिनार से सर्वश्रेष्ठ इमारत (कर्नल टाड)

संगीत की भव्य रंगीन चित्रशाला

देवी देवताओं का अजायबघर

9 मंजिला इमारत

157 सिढ़ीयां

चाप वक्र की आकृति

चौड़ाई → 30 फीट

→ 122 फीट

अभिनव भारत समिति के सदस्य विजयस्तंभ की शपथ लेते है।

- 9 → पुनः निर्माण स्वरूप सिंह ✓
- 8 → X
- 7 → सात अवतार। विष्णु के ✓
- 6 → शिव खण्डी मूर्ति ✓
- 5 → प्रशस्ति उत्कीर्ण है। → 187 श्लोक ✓
- 4 ✓
- 3 → 9 बार अल्लाह लिखा हुआ है ✓
- 2 ✓
- 1 → विष्णु को समर्पित ✓

शिल्पी → जैता, नापा, पूंजा, मन्ना फना

15 अगस्त 1949 को एक रुपये का डाक टिकट जारी

प्रतीक चिन्ह
1. राजस्थान पुलिस
राज. मा. शि. बोर्ड
7.K सिगरेट

→ जैन कीर्ति स्तम्भ चित्तौड़गढ़

निर्माण → जैन मूल जिजाक ने

मंजिल → 7 मंजिल

समर्पित → आदिनाथ | ऋषभदेव जी को

उपनाम : मान स्तम्भ | मेरु कनक प्रभ

ऊँचाई → 75 फीट

चित्तौड़गढ़ में तीन साके

पहला साका → 1303 | 26 अगस्त

केसरिया :- रावल रतन सिंह

जौहर : पद्मनी ने 1600 महिलाओं के साथ

आक्रमण : अलाउद्दीन खिलजी का
↓
30,000 लोगों का कत्ले आम करवाया।

AK ने चित्तौड़ को जीतने के बाद इसका नाम खिज्राबाद रखा

→ खिज्राबाद नाम की जानकारी घाई बावड़ी के अभिलेख से मिलती है।

सेनापति → गोरा | बादल

दूसरा साका :- 1534-35 पुर अभिलेख

केसरिया : देवलिया बाघ सिंह के नेतृत्व ✓

जौहर : हाड़ी रानी कर्णावती | कर्मावती ✓

आक्रमण → गुजरात शासक बहादुर शाह ✓

↓

सेनापति → रूमी खाँ ✓

दूसरे साके के समय चित्तौड़ का शासक महाराणा विक्रमादित्य था ✓

कर्णावती ने अपने पुत्र विक्रमादित्य | उदयसिंह को ननिहाल बूँदी भेज दिया

चित्तौड़ का अन्तिम साका → 1567/68

मेवाड़ के महाराणा
↳ उदय सिंह

केसरिया : जयमल | फत्ता के नेतृत्व मे

जौहर → फूल कंवर के नेतृत्व, 7000 महिलाओं ने किया

आक्रमण : मुगल शासक अकबर ने
↓
30,000 लोगों का कत्ले आम करवाया।

→ आमेर का भगवन्तदास शासक मुगल शासक अकबर के साथ था।

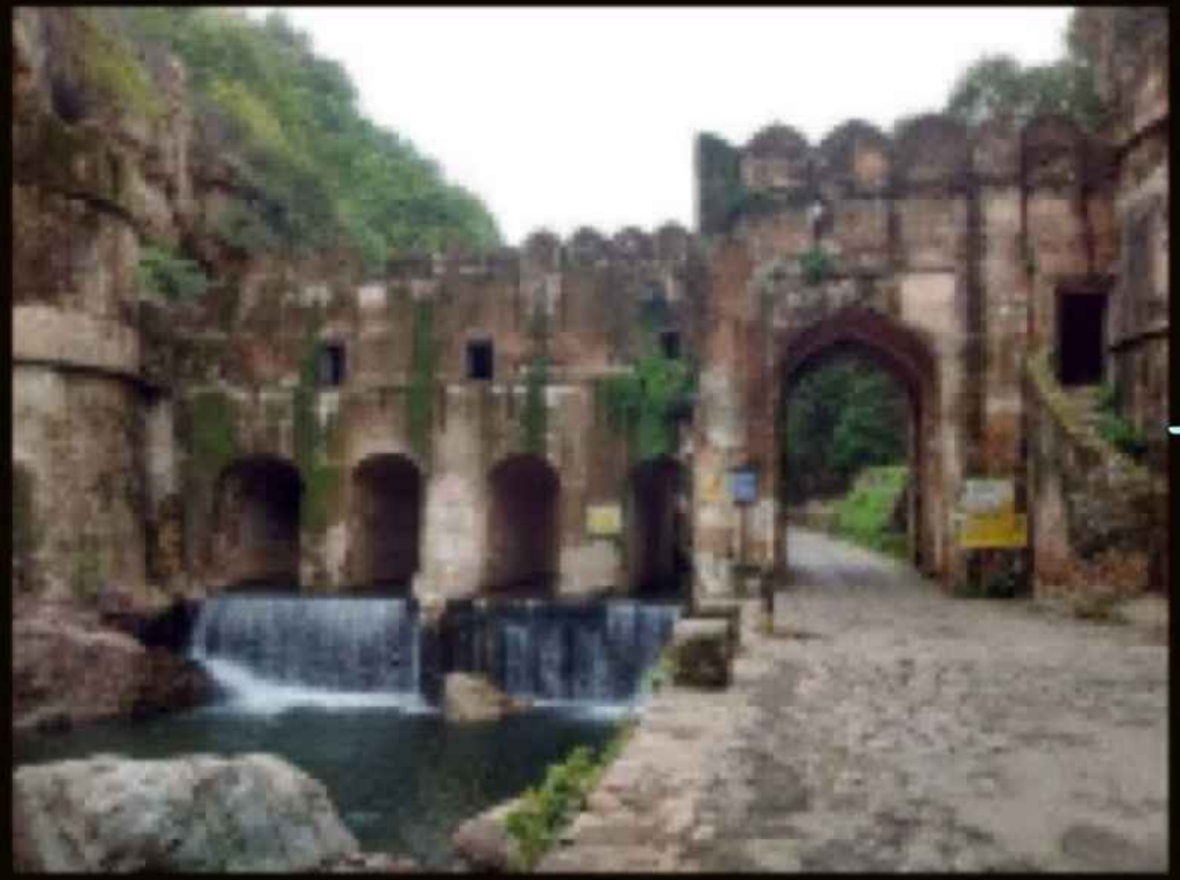

→ नौलखा दरवाजा

↙ स॰ माधोपुर

रणथम्भौर दुर्ग → स० माधोपुर

पहाड़ी → थम्भन की पहाड़ी

निर्माण → रन्तिदेव ने

एक - एक

एक मात्र दुर्ग बख्तरबन्द दुर्ग

" " " अण्डाकार पहाड़ी पर

" " अरावली तथा विंध्याचल की पहाड़ीयो से घिरा

" " सात पहाड़ीयो से घिरा दुर्ग

" " जहा हठी राज करता था (हमीर देव)

" " जहां एक मात्र जल जौहर हुआ है

→ अबुल फजल" → अन्य सभी दुर्ग नंगे है एक मात्र दुर्ग बख्तरबन्द है।

→ जलालुद्दीन खिलजी असफल आक्रमण करने के बाद कहा (1291-92)

↳ " ऐसे 100 किले मे मुसलमान की दाढ़ी के एक बाल के बराबर समझता हूं" → मलिक अहमद चाप से कहा था

→ दरवाजे

- तोरण दरवाजा
  - → चौहानो के समय
  - → मुगलो के समय → अंधेरी दरवाजा
  - → आमेर (कछवाहा राजवंश) → त्रिपोलिया दरवाजा
- गणेश पोल
- हाथी पोल
- सूरज पोल

जोगी महल

→ दुर्ग के महल

↓

- जौरा भौरा महल :→ अनाज रखने का भण्डार
- जोगी महल :→ बाघ का दृश्य देखा जा सकता है।
- सुपारी महल → इसमें मन्दिर, मस्जिद, गिरजाघर बने हैं (most)
- हम्मीर महल
- पीर सदरूद्दीन की दरगाह
- 32 खम्भों की न्याय की छतरी
  - ↓ जैतसिंह की छतरी

हम्मीर की कचहरी

रनिहाड़ तालाब, पद्मला तालाब
- अधूरी छतरी
- भैरूजी का मन्दिर
- त्रिनेत्र गणेश मन्दिर
- शिव मन्दिर
- कुत्ते की छतरी

राजस्थान इतिहास का पहला साका → 11 July 1301

→ आक्रमण → अलाउद्दीन खिलजी ने किया < रणथम्भौर — शासक — उलुग खाँ को; नुसरत खाँ मारा गया।

imp विश्वास घात : रणमल | रतिपाल (हम्मीर देव के सेनापति

→ हम्मीर देव का सहयोग → भीम सिंह | धर्म सिंह

साका < केसरिया → हम्मीर देव चौहान; जौहर → रंगा दे ने किया

(पद्मनी)

नोट → राज० का एकमात्र जल जौहर (पद्मला तालाब में हमीर की पुत्री देवल दे ने कूदकर अपनी आहुति दी)

→ शेरशाह सूरी ने यह दुर्ग आदिल शाह को सौंपा

→ राणा सांगा ने अपनी पत्नी कर्णावती को यह दुर्ग दिया।

→ बाबर ने यह दुर्ग कर्णावती को दिया

→ 1533 गुजरात शासक बहादुरशाह से अधिक करने के बाद कर्णावती ने बहादुरशाह को सौंपा।

→ अकबर ने यह दुर्ग जगन्नाथ कछवाह को दिया।

→ 1569 मे अकबर ने मान सिंह व भगवतदास के सहयोग से सुर्जन हाड़ा को अधिनता स्वीकार कराई

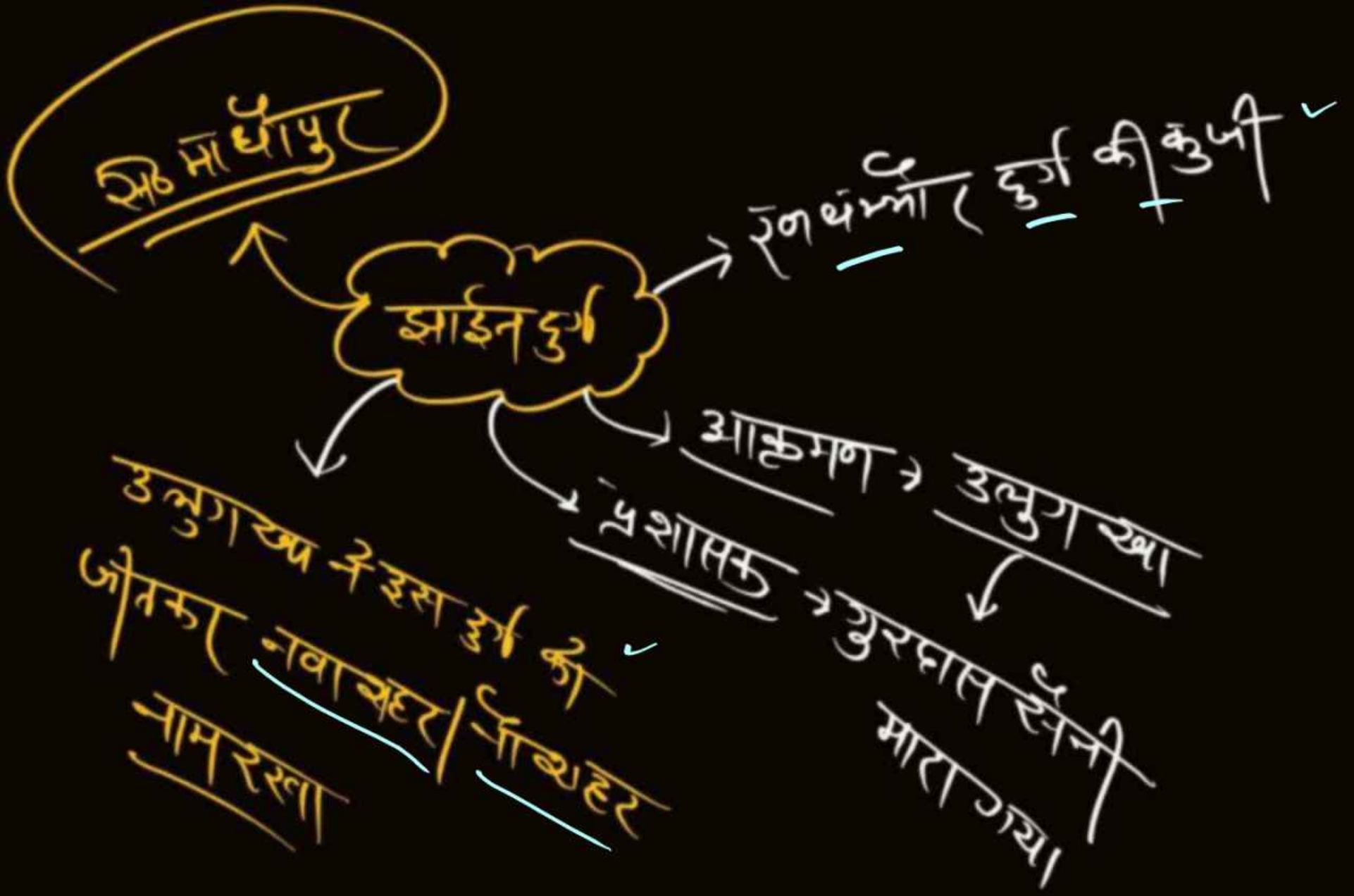

स० माधोपुर

झाइन दुर्ग

→ रणथंभौर दुर्ग की कुंजी

→ आक्रमण → उलुग खां

→ प्रशासक → गुरशास्प सैनी मारा गया।

उलुग खां ने इस दुर्ग को जीतकर नवाशहर / शाहशहर नाम रखा

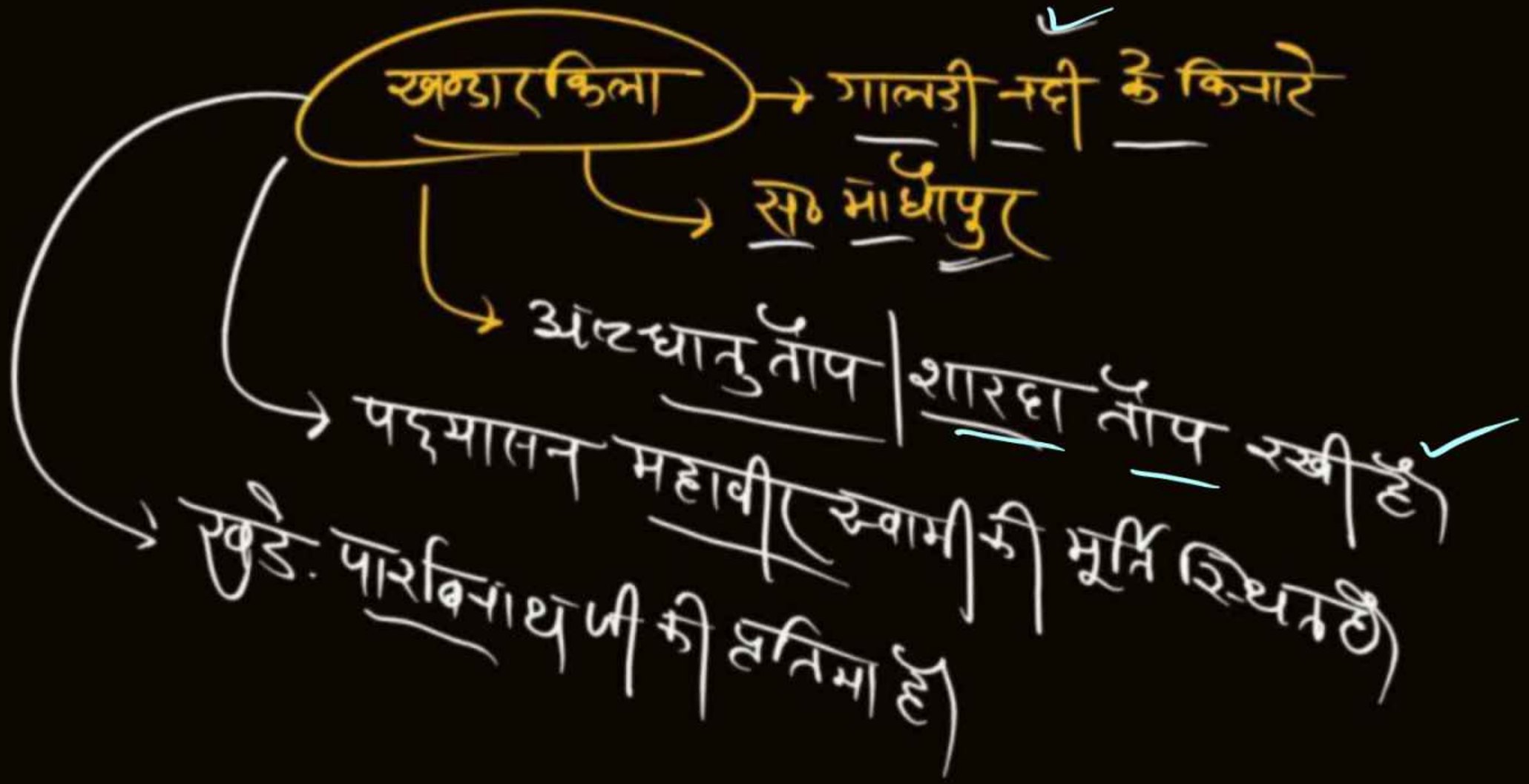

खण्डार किला → गालड़ी नदी के किनारे
→ स॰ माधोपुर
→ अष्टधातु तोप | शारदा तोप रखी है।
→ पद्मासन महावीर स्वामी की मूर्ति स्थित है।
→ खड़े. पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा है।

डीग का किला → डीग (पहले भरतपुर)
↓
निर्माण → बदन सिंह ने
पुन: निर्माण महाराजा सूरजमल ने करवाया

→ जल महलों की नगरी → डीग ✓
सावन भादो महल → डीग ✓
जल महल मे सर्वश्रेष्ठ महल → गोपाल महल ✓
इस किले मे सुल्तान सिंह की छतरी और सूरजमल के महल बने है।

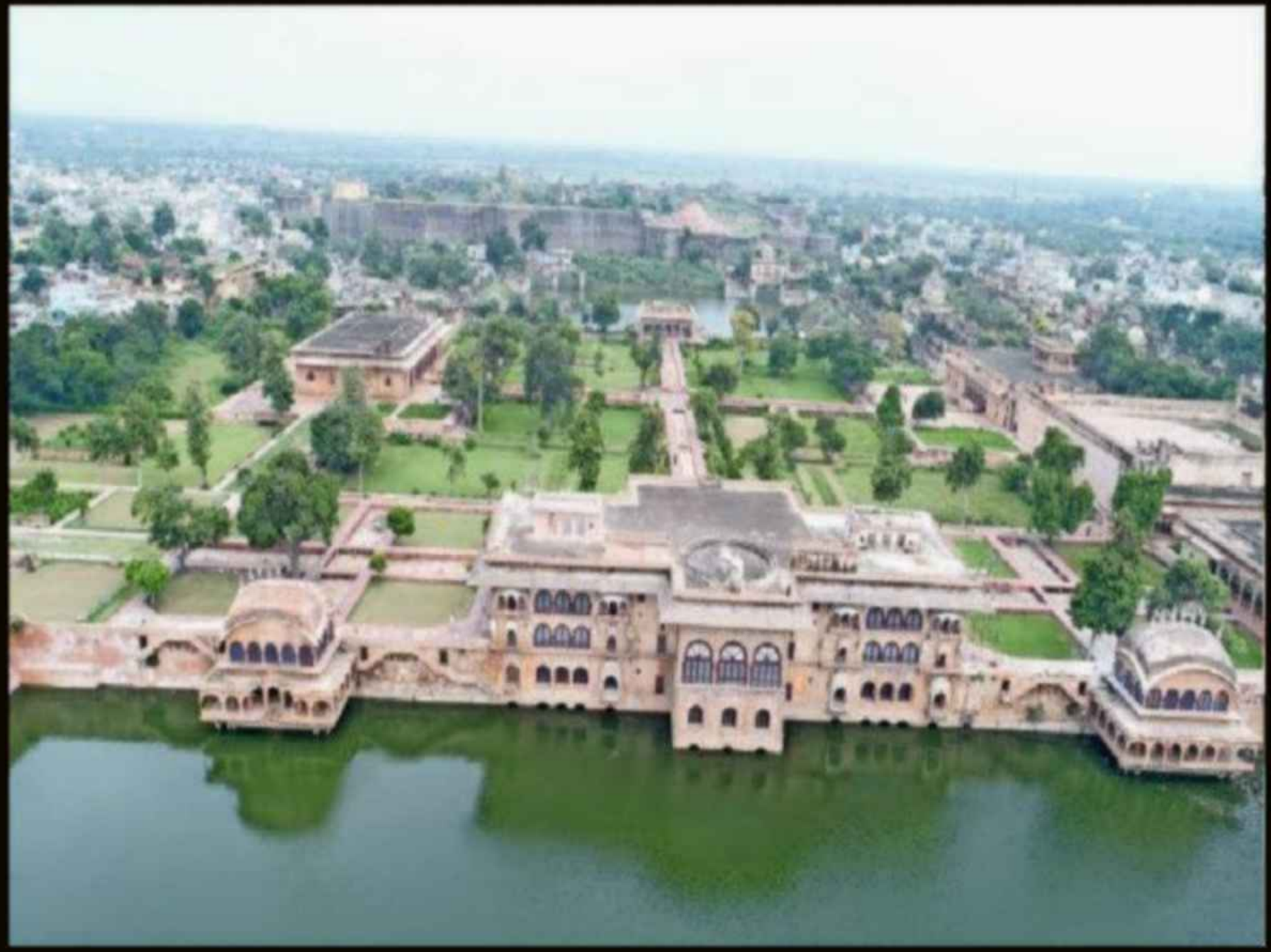

→ भीम लाट

→ विजयस्तम्भ

↓

बयाना

बयाना किला → भरतपुर (निर्माण - विजयपाल)

उपनाम : श्रीपंथ, बाणपुर, भादानक दुर्ग
बयाना दुर्ग, बादशाह दुर्ग

दर्शनीय स्थल → ऊषा मंदिर
ऊषा मस्जिद
भीम लाट (राज. का कुतुबमिनार - (4 मंजिल)
लोदी मिनार
अकबरी छतरी
जहांगीर दरवाजा
गुप्तकालीन सिक्के मिले है।

तारागढ दुर्ग → बुन्दी

निर्माण → देवी सिंह हाडा | बरसिंह हाडा

→ रूडयार्ड किप्लिंग : यह दुर्ग भूतों व फरिश्तों द्वारा निर्मित

→ कर्नल टॉड " → रजवाड़ो के राजप्रसादों में सर्वश्रेष्ठ महल तारागढ बुन्दी है।

→ चित्रशाला महल | राजमहल

→ महल : अनिरुद्धसिंह का महल, रानी जी की बावड़ी

रत्नमहल

नवलसागर जलाशय

बादल महल

छत्र महल

फूलमहल

तारागढ़ दुर्ग → गर्भगुंजन | महाबला तोप स्थित है।

84 खंभों की छतरी → देवपुरा गाव

↳ अनिरुद्ध सिंह धाबाई की याद में बनवायी 84 आसन बने

↳ 3 मंजिल है

तारागढ़ को तलिस्मी किला कहा जाता है।

→ खुर्रम शाहजहां भी रत्नसिंह हाड़ा के समय रुका

अचलगढ़ दुर्ग → सिरोही

निर्माण → परमारों ने किया

पुन: निर्माण → महाराणा कुंभा ✓

उपनाम → भवरांचल दुर्ग ✓

→ स्थल → अचलेश्वर महादेव मन्दिर ✓
ब्रह्माखण्ड की पूजा ✓
नंदी की प्रतिमा ✓
ओखे रानी का महल ✓
कपूर सागर जलाशय ✓

→ सावन भादो मूर्ति → कुंभा - उदा

→ पीतल की दुरसा आढ़ा की मूर्ति

→ हनुमान पोल

→ भैरव पोल

→ चम्पा पोल

बसन्तगढ़ दुर्ग

- दॅग्य ब्रह्माणी का मंदिर
- सिरोही
- निर्मित → महाराणा कुंभा ने करवाया।
- खिमल माता
  - राजस्थानादित्य। सोम की जानकारी मिलती है।
- मुस्लिम आक्रमण को रोकने के लिए करवाया।

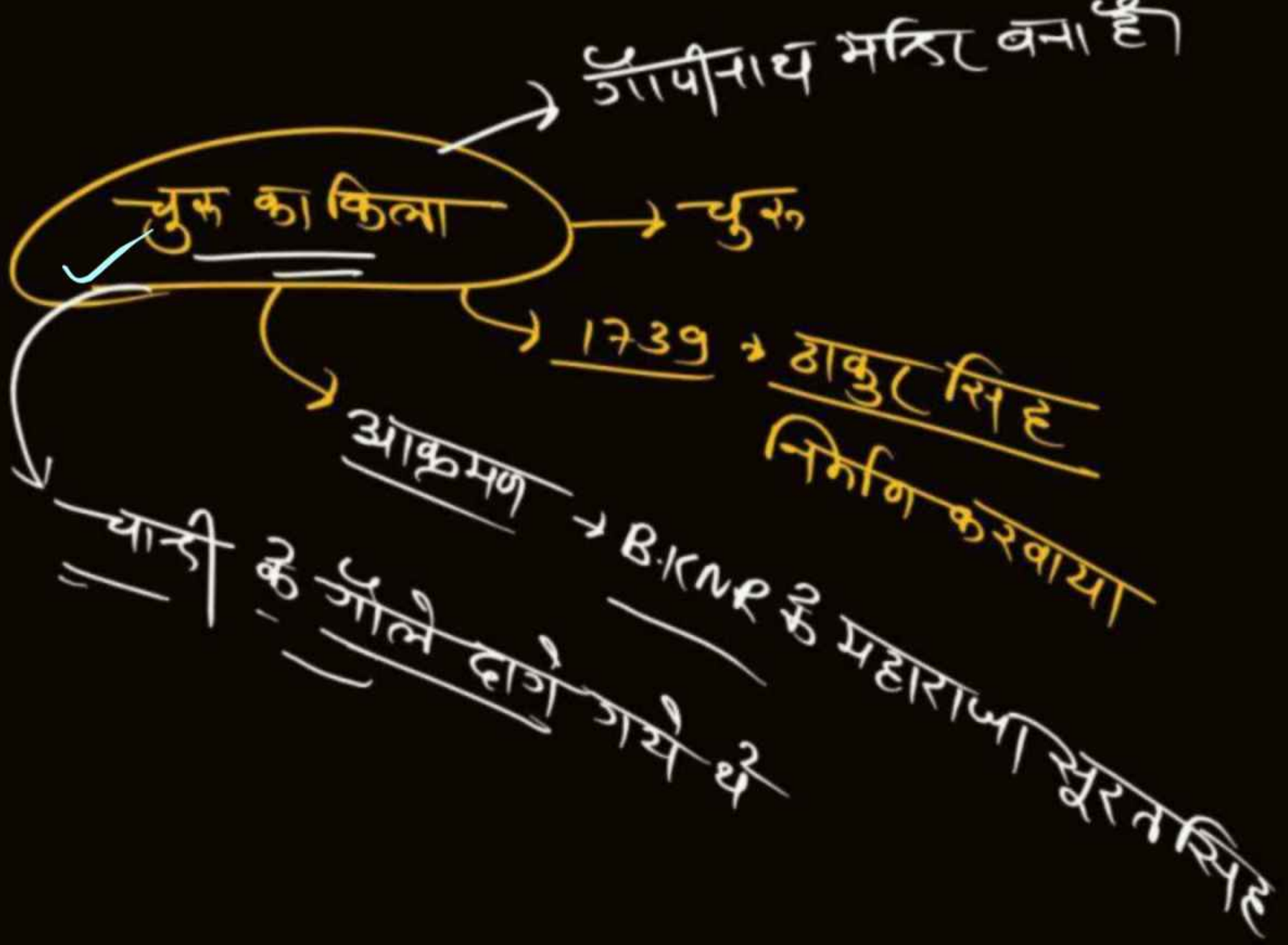

चुरू का किला

- → गोपीनाथ मंदिर बना है।
- → चुरू
- → 1739 → ठाकुर सिंह निर्माण करवाया
- → आक्रमण → B.KNR के महाराजा सूरतसिंह
- → चाँदी के गोले दागे गये थे

सज्जन किला → उदयपुर

पहाड़ी → बांसदरा की पहाड़ी पर बना है

निर्माण → महाराजा सज्जन सिंह

उपनाम → सज्जन विलास महल
मुकुटमणि
वाणी विलास, मानसून महल

→ यह दुर्ग वर्तमान में पुलिस का वायरलैस केन्द्र है।

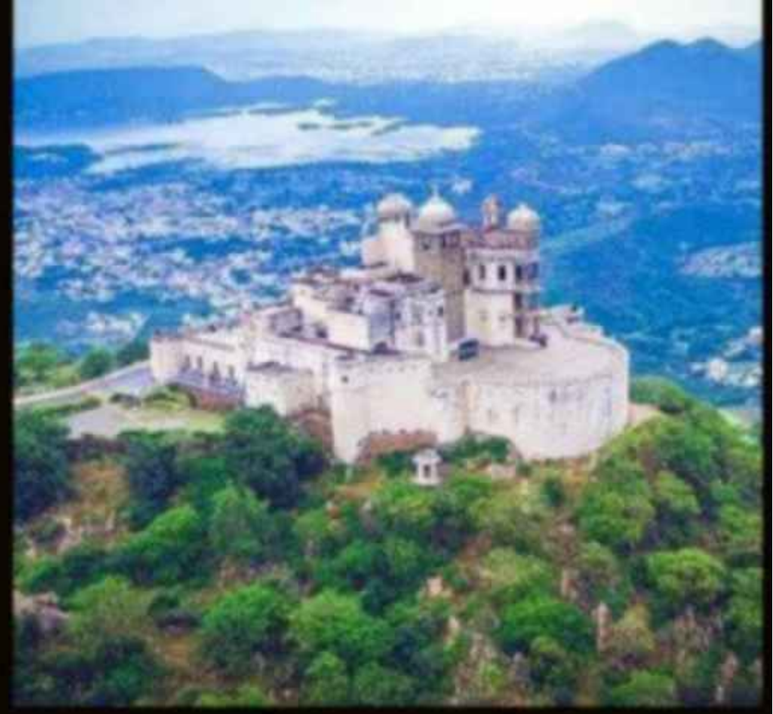

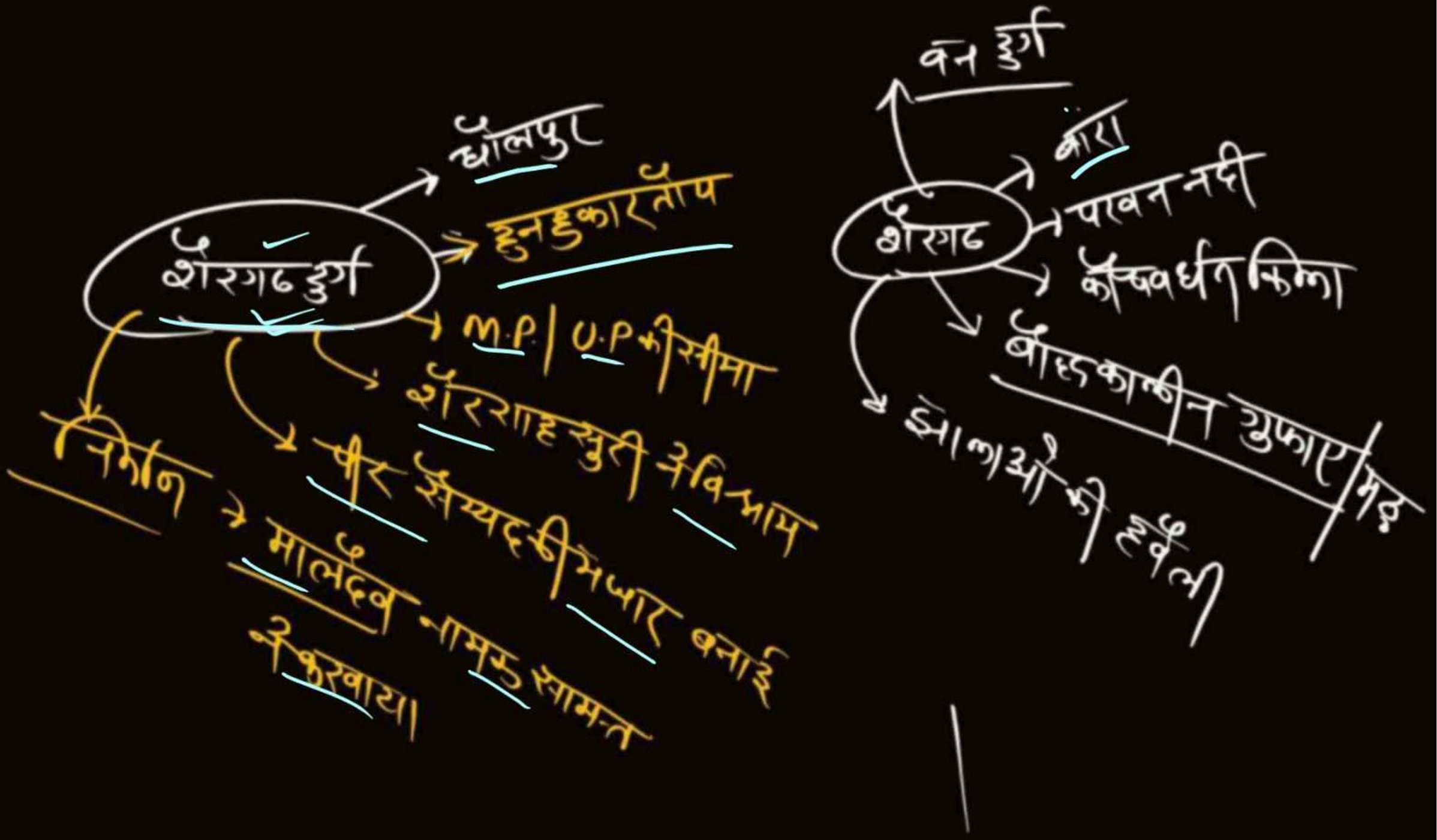

शेरगढ़ दुर्ग

- → धौलपुर
- → हुनहुंकार तोप
- → M.P. / U.P. की सीमा
- → शेरशाह सूरी ने विश्राम
- → पीर सैय्यद की मजार बनाई
- निर्माण → मालदेव नामक सामन्त ने करवाया।

शेरगढ़

- → वन दुर्ग
- → बारां
- → पावन नदी
- → कोषवर्धन किला
- → बौद्धकालीन गुफाएं | मठ
- → झालाओं की हवेली

बालादुर्ग | अलवर किला → अलवर → कुँआरा दुर्ग

↳ ५२ दुर्गों का लाडला, आँख की किरकरी, आँख वाला किला

निर्माण → हसन खाँ मेवाती

↳ इस दुर्ग को वर्तमान में म्यूजियम बना दिया

→ इसमें ५२ बुर्ज बने हैं

→ इस दुर्ग में करनी माता

शिवमंदिर / प्रतापलंकेश्वर मंदिर | प्रतापेश्वर

शीतलामाता मंदिर

हनुमान मंदिर

जलाशय
- सूरज कुण्ड
- सलीम सागर जलाशय

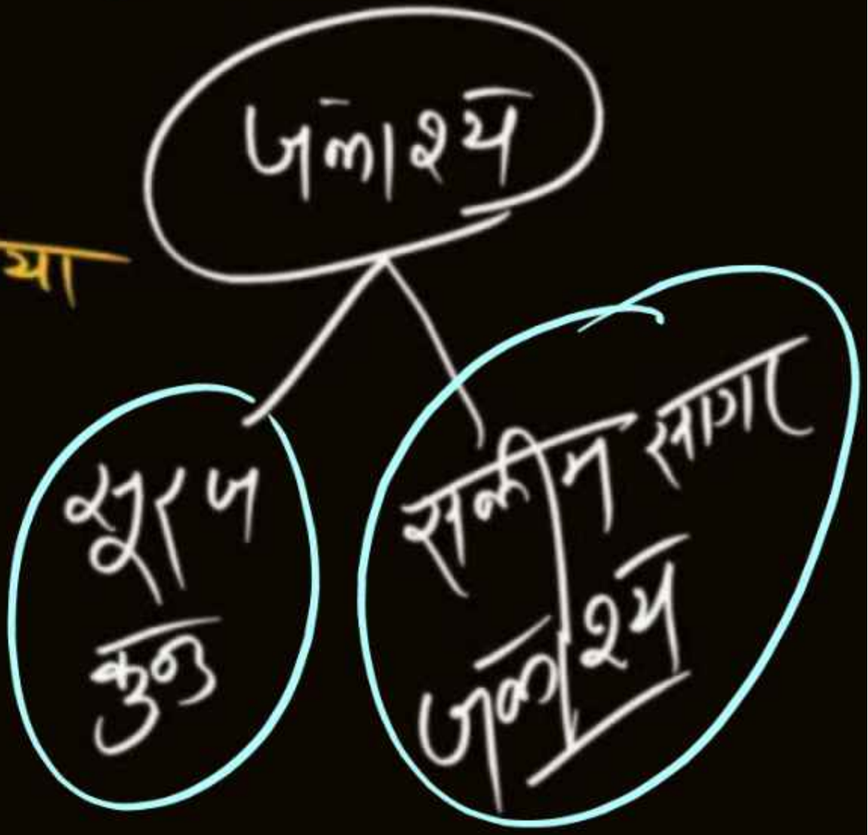

काकणवाड़ी किला → अलवर

↳ काकन के पठार पर बना है।

→ दाराशिकोह को इस दुर्ग में नजरबंद रखा गया

भानगढ़ किला → भूतों वाला किला

→ माधो सिंह ने बनवाया

→ सोमेश्वर मंदिर

→ गोपीनाथ मंदिर

→ पुरोहित जी की हवेली

→ इतिहास तथा पुरातत्व का खजाना

नीमराना किला → कोटपुतली बहरोड़

→ चौहान III की तीसरी राजधानी

→ पंच महल कहा जाता है

→ राठ क्षेत्र कहा जाता है

विजयगढ़ | लौहागढ़ | → भरतपुर किला

→ निर्माण → सूरजमल ने 1733 में करवाया

नोट → नवीनतम किला माना जाता है।

→ दरवाजा → 10

→ इस दुर्ग के चारो तरफ खाई में सुजानगंगा नहर के जल से घिरा है।

→ जवाहर बुर्ज → जाट राजवंश का राजतिलक ✓

→ फतेह बुर्ज → अंग्रेजों पर विजय पाने के बाद

→ 1805 → लार्ड लेक आक्रमण हुआ (असफल)

→ 1803-1805 तक 5 बार आक्रमण किया

→ भरतपुर शासक रणजीत सिंह ने मराठा जसवन्तराव होल्कर को शरण दी

→ अंग्रेज अधिकारी → मेटकाफ ने कहा "अंग्रेजों की प्रतिष्ठा लोहागढ़ दुर्ग में दफन हुयी।

→ राज० के एकीकरण के पहले चरण का उद्घाटन इसी दुर्ग की कचहरी कला में 18 मार्च 1948 को हुआ।

→ इस दुर्ग में
↓
वजीर का महल
बांके बिहारी मन्दिर
लक्ष्मण मन्दिर → जाटो के कुलदेवता
राजेश्वरी माता → जाटो की कुल देवी
किशोरी देवी के महल ✓
दादी मां का महल ✓
दीवान-ए-आम
दीवान-ए-खास

गंगा मैया का मन्दिर ✓
नूरजहां का झूला ✓

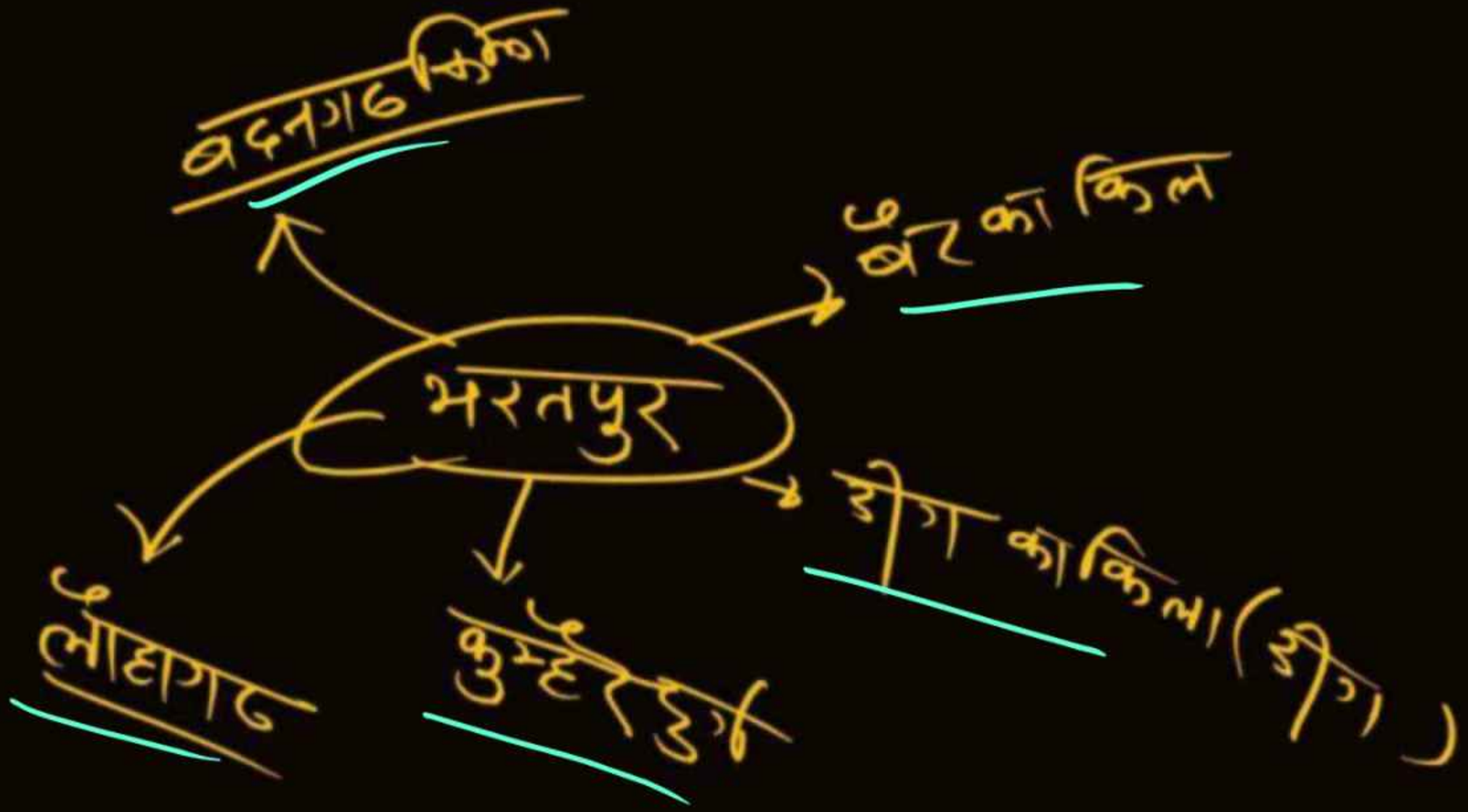

बदनगढ किला
बैर का किल
भरतपुर
डीग का किला (डीग)
लोहागढ
कुम्हेर दुर्ग

- → मेवाड़ का मुकुट मणी → सज्जनगढ़ - उदयपुर
- → भवरांथल दुर्ग → सिरोही
- → मेवाड़ का कालापानी → सराड़ा किला (सलुम्बर)
- → कोशवर्धन किला → शेरगढ़ दुर्ग बारां
- → दखन का द्वारगढ़ → शेरगढ़ धौलपुर
- → त्रिभुवनगढ़ तिमनगढ़ → करौली
- → ग्वालियर दुर्ग की कुंजी → मण्डरायल दुर्ग (करौली)
- → रहस्यमयी दुर्ग → जयगढ़ दुर्ग (जयपुर)
- → जागिरी किलो का सिरमौर → कुचामण दुर्ग
- → पूर्व का दुसरा जिब्राल्टर → तारागढ़ अजमेर

चितौड़गढ़
रणथम्भौर दुर्ग
कुम्भलगढ़ दुर्ग
मेहरानगढ़
जयगढ़
आमेर दुर्ग
नागौर दुर्ग
सज्जनगढ़